हिन्दी दैनिक

स्वाभिमान जागरण

RNI.No.- UPHIN/2021/84176

लखनऊ से प्रकाशित..

वर्ष : 04 अंक : 341 लखनऊ, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 पृष्ठ : 08 मूल्य : 1.00 रूपया

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, लगाया वोट चोरी के बाद हक–हुकूक चोरी की तैयारी का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सामाजिक कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों की पहचान के लिए आधार के स्थान पर मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) इस्तेमाल किए जाने की कथित योजना को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या यह मोदी सरकार की आधिकारिक नीति है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि श्वोट चोरीश तो केवल ट्रेलर है और पूरी पिक्चर हक–हुकूक चोरी की है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने पिछले कुछ दिनों में दो बार कहा है कि सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लाभार्थियों की पहचान के लिए आधार की जगह वोटर आईडी का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह अब मोदी सरकार की आधिकारिक नीति है?

दिल्ली के अस्पताल मालिक से मांगे 20 करोड़ रुपये, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर केस दर्ज

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली के निहाल विहार स्थित एक निजी अस्पताल के मालिक को जान से मारने की धमकी देकर 20 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अस्पताल के मालिक शिकायतकर्ता शकील सैफी को तीन नवंबर को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से सोशल मीडिया के जरिए रंगदारी की मांग की गई थी। फोन करने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान अनिल पंडित के रूप में बताई और कथित तौर पर दावा किया कि उसने अस्पताल मालिक की रेकी की है। पुलिस के अनुसार उसने रकम का इंतजाम करने के लिए 24 घंटे का समय दिया और मांग पूरी नहीं होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। उसने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह से जुड़ा हुआ बताया। सैफी ने पुलिस को यह भी बताया कि उन्हें एक दिन पहले यानी दो नवंबर को उसी नंबर से धमकी भरा वॉयस मैसेज मिला था।

कोबरा जहर की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, पांच करोड़ का जहर जब्त, पांच गिरफ्तार

एजेंसी

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 500 मिलीग्राम से अधिक कोबरा सांप का विष जब्त किया है, जिसकी कीमत 5.2 करोड़ रुपये बताई गई है। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस की अपराध जांच इकाई ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 29 अक्टूबर को काशीगांव इलाके में डोडिया पेट्रोल पंप के पास जाल बिछाया। मीरा रोड संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने मोहम्मद दानिश फैयिम खान (23) और अब्दुल करीम राशिद अहमद शेख (51) के पास से कांच की दो शीशियां बरामद कीं जिनमें क्रमशः करीब 250 मिलीग्राम और 260 मिलीग्राम कोबरा सांप का विष था।

कांग्रेस और सपा को लोकतंत्र की नहीं, अपने परिवारों की चिंता है : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों का अभियान लोकतंत्र बचाने का नहीं, बल्कि अपने परिवारों को बचाने का है और आरोप लगाया कि परिवारवादी राजनीति के कारण इन दलों में एक ही परिवार के लोग नेतृत्व करते हैं। प्रदेश के गाजियाबाद में भाजपा की ओर से आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश पदयात्रा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चुनाव हारने के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), निर्वाचन आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाती है। योगी ने कहा कि अपनी हार की समीक्षा करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करना उसकी आदत बन गई है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए उनकी तुलना ऐसे विद्यार्थी से की, जो परीक्षा में असफल होने पर अपनी गलतियां स्वीकार करने के बजाय नए–नए बहाने बनाता है।



उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खोने के बावजूद आत्ममंथन करने को तैयार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस शासनकाल के राष्ट्रमंडल, 2जी और कोयला घोटालों का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और अराजकता से परेशान जनता ने 2014 में नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौंपी। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी की पिछली चार सरकारों में गुंडागर्दी, दंगे और कर्फ्यू उत्तर प्रदेश की पहचान बन गए थे। उन्होंने कोसीकलां, मुजफ्फरनगर, मथुरा, बरेली, संभल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, मेरठ और सहारनपुर की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में महिलाओं, व्यापारियों और मीडिया की सुरक्षा भी खतरे में थी। योगी ने कांग्रेस पर 1975 में आपातकाल लगाने और 1984 की सिख विरोधी हिंसा का जिक्र करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, जबकि आज वहां भव्य मंदिर बनकर तैयार है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत और विकास के साथ आगे बढ़ने का दावा करते हुए राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम और गरीबों को आवास उपलब्ध कराने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर है। ऐसे में अपनी चुनावी हार के लिए निर्वाचन आयोग को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करने और लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान में भाग लेने की अपील की।

जंतर–मंतर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, पूर्व जज की कमेटी करेगी जांच, वीडियो और शिकायतें सौंपने के निर्देश

एजेंसी

नयी दिल्ली। जंतर–मंतर पर 20 जुलाई को हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की कथित ज्यादती के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। इस घटना की जांच कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति को अब तक पीड़ितों की ओर से बहुत कम शिकायतें मिली हैं। गुरुवार को सुनवाई के दौरान समिति ने शीर्ष अदालत को यह जानकारी दी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि हिंसा से जुड़ी याचिकाएं, वीडियो और अन्य शिकायतें जांच समिति को उपलब्ध कराई जाएं, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच आगे बढ़ सके। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि शिकायतों और पर्याप्त सबूतों के अभाव में समिति फिलहाल किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पा रही है। अदालत ने समिति को समय–समय पर अंतरिम रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया है।सुनवाई के दौरान समिति ने बताया कि उसने 20 जुलाई की घटना से प्रभावित लोगों से शिकायतें मांगने के लिए देशभर के 149 अखबारों में सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित कराए थे। इसके बावजूद ऑनलाइन माध्यम और व्यक्तिगत रूप से बहुत कम शिकायतें प्राप्त हुईं। समिति ने बताया कि शिकायतों की संख्या बढ़ाने के लिए 21 अक्टूबर को दोबारा अपील जारी की गई। इसके तहत ऑनलाइन पोर्टल और कार्यालय का पता भी सार्वजनिक किया गया, ताकि पीड़ित अपनी शिकायत और घटना से जुड़े सबूत जमा करा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले से संबंधित याचिकाओं, वीडियो फुटेज और शिकायतों को समिति के सामने रखा जाना चाहिए। इससे जांच को आगे बढ़ाने और घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति समझने में मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में इस मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की थी। इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी कर रहे हैं। समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रवि शंकर झा, दिल्ली हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिंदर कौर, सीबीआई के पूर्व निदेशक ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई शामिल हैं। समिति को हिंसा और पुलिस कार्रवाई से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करनी है। दरअसल, 20 जुलाई को जंतर–मंतर से संसद की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई थी। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े थे। इसके बाद पुलिस की कार्रवाई और प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा को लेकर सवाल उठे थे। यह आंदोलन 20 जून को जंतर–मंतर से शुरू हुआ था और छात्रों के नेतृत्व में कई शहरों तक फैल गया था। प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। 25 जुलाई को धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की ओर से सीजेपी की अन्य मांगें स्वीकार किए जाने के बाद आंदोलन समाप्त हुआ था। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद जांच समिति को उपलब्ध कराए जाने वाले वीडियो और शिकायतें इस मामले में अहम भूमिका निभा सकती हैं।



दिल्ली के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में भीषण अग्निकांड

एजेंसी

नयी दिल्ली। आउटर नॉर्थ दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि दमकल विभाग को सुबह 9.05 बजे आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही 10 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और फिलहाल आग बुझाने का काम चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है। इससे पहले 31 अक्टूबर को दिल्ली के मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र में एक जूता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह फैक्ट्री मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के फेज–1 में स्थित है। अधिकारियों के मुताबिक आग 30 अक्टूबर की रात करीब 9.30 बजे लगी थी। सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस के जवान, दमकल की गाड़ियां और बचाव व राहत दल के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

बिहार में हड़ताल पर नहीं लौटने वाले राजस्व कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई, वैकल्पिक व्यवस्था में विशेष सर्वेक्षण अमीनों को मिलेगा पदभार

एजेंसी

पटना। बिहार के भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि हड़ताल पर गए कई राजस्व कर्मचारी और अमीन काम पर लौट आए हैं और अपना काम कर रहे हैं। सरकार ने हड़ताल पर अब तक नहीं लौटने वाले कर्मचारियों और अमीनों के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था कर ली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की सकारात्मक वार्ता के बाद भी जो कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि विभाग ने जनता को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने बताया कि हड़ताल पर गए कर्मचारियों के स्थान पर विशेष सर्वेक्षण अमीनों को पदभार सौंपा जाएगा। इसके तहत लगभग 3,200 से 4,000 विशेष सर्वेक्षण अमीनों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग के पास लगभग 13,000 अमीन सर्वेक्षण कार्य में लगे हुए हैं। इनमें से अमीनों को लेकर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तैनात किया जा रहा है। साथ ही, हड़ताल पर गए कर्मचारियों के डोंगल भी बंद किए जा रहे हैं। इससे सरकार का काम नहीं रुकेगा और हड़ताल का असर राजस्व संबंधी कार्यों पर नहीं पड़ेगा। दिलीप जायसवाल ने कहा कि हड़ताल पर लौटने वाले कर्मचारियों का स्वागत है, लेकिन जो लोग काम पर नहीं लौटेंगे, उनके खिलाफ सरकार के नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम जनता को किसी तरह की



परेशानी नहीं हो। मंत्री ने बताया कि जब उन्होंने तीन–चार महीने पहले मंत्री पद संभाला था, उस समय राजस्व कर्मचारी, अमीन और अंचल अधिकारी तीन अलग–अलग हड़ताल पर थे। सरकार ने संबंधित कर्मियों से वार्ता कर हड़ताल समाप्त कराने का प्रयास किया था। अंचल अधिकारियों की हड़ताल समाप्त हो चुकी है और वे पूरी तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व कर्मचारियों और अमीनों की पुरानी मांगों को लेकर दो बार चर्चा हुई है। उनकी उचित मांगों पर सरकार सकारात्मक निर्णय लेने के लिए तैयार है। हालांकि, राजस्व कर्मचारियों की ओर से पदनाम बदलकर सहायक राजस्व अधिकारी करने की मांग रखी गई है, जिसे तत्काल स्वीकार करना संभव नहीं है। मंत्री ने कहा कि जिस पद पर किसी कर्मचारी की बहाली हुई है, फिलहाल उसे उसी पद पर काम करना होगा। उन्होंने बताया कि राजस्व अधिकारी के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया में सामान्य तौर पर 17 वर्ष का समय लगता है।

आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए दीप्ति, सदरलैंड और सोभाना अवॉर्ड के लिए नामित

एजेंसी

दुबई। भारत की ऑफ–स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के साथ ऑस्ट्रेलिया की सीम–बॉलिंग ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड और बांग्लादेशी बल्लेबाज सोभना मोस्तरी को अक्टूबर 2026 के लिए आईसीसी वीमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। भारत ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में 3–0 से क्लीन स्वीप किया था। इस दौरान दीप्ति ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। दीप्ति ने टी20 सीरीज के पहले मैच में 49 रन की पारी खेली थी। इस सीरीज में कुल 2 विकेट भी हासिल किए। इसके बाद उन्होंने वनडे सीरीज में कुल 5 विकेट चटकाए और बल्लेबाजी का इकलौता मौका मिलने पर दूसरे वनडे में 106 रन की नाबाद पारी खेली। दूसरी तरफ, बांग्लादेश की बल्लेबाज सोभना ने ब्रिस्बेन में इतिहास रच दिया। सोभना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में 134 गेंदों पर 118 रन बनाए, जो वनडे फॉर्मेट में किसी बांग्लादेशी



महिला खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। अपनी इस पारी में उन्होंने 18 बाउंड्री लगाईं। भले ही बांग्लादेश ने सीरीज 0–3 से गंवा दी, लेकिन सोभना ने सीरीज में 43 की औसत के साथ कुल 129 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया। इस बीच, एनाबेल ने उसी सीरीज में बांग्लादेश के विरुद्ध ऑस्ट्रेलिया के लिए अहम भूमिका निभाई। ब्रिस्बेन में खेले गए सीरीज के पहले मैच में, उन्होंने 30 रन देकर 4 विकेट लिए और फिर नाबाद 25 रन बनाए, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज के अंतिम मैच में 74 रन की नाबाद पारी खेली और 25 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। उन्होंने 132 के स्ट्राइक रेट से 99 रन और 4.12 की इकॉनमी से 6 विकेट लेकर सीरीज का समापन किया। इसके बाद एनाबेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के तीन मुकाबलों में कुल 19 रन बनाने के साथ 1 विकेट चटकाया।

टीएमसी के बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका सुनने से किया इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें नेता प्रतिपक्ष ऋतब्रत बनर्जी समेत पार्टी के 10 बागी विधायकों की दल–बदल विरोधी कानून के तहत सदस्यता रद्द करने की मांग की गई थी। अदालत ने याचिकाकर्ता को इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि इस स्तर पर उचित कानूनी विकल्प कलकत्ता हाईकोर्ट जाना है। पीठ ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट में उचित याचिका दाखिल करने की छूट दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से भी अनुरोध किया कि मामले को जल्द सुनवाई के लिए खंडपीठ के समक्ष रखा जाए। सुनवाई के दौरान शोभनदेव चट्टोपाध्याय की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि 8 जुलाई को विधायकों की सदस्यता रद्द करने संबंधी याचिकाएं दाखिल की गई थीं, लेकिन करीब पांच महीने बीत जाने के बावजूद उन पर कोई फैसला नहीं हुआ है। वकील ने दलील दी कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्देशों के दायरे में आता है। उन्होंने मांग की कि मामले की जल्द सुनवाई हाईकोर्ट की खंडपीठ



में हो, ताकि अदालत के भीतर अपील के कई और दौर से बचा जा सके। आदेश सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल याचिका का निपटारा कर दिया और हाईकोर्ट में उचित याचिका दाखिल करने की स्वतंत्रता प्रदान की। वरिष्ठ टीएमसी विधायक शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने अपनी रिट याचिका में संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत ऋतब्रत बनर्जी और कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पूर्व मेयर फिरहाद हकीम समेत 10 बागी विधायकों की सदस्यता रद्द करने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिका में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्र बोस के खिलाफ भी निर्देश देने की मांग की गई थी। आरोप था कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्धारित समयसीमा के भीतर विधायकों की सदस्यता रद्द करने संबंधी याचिकाओं पर फैसला नहीं लिया।

हर हाल में बांग्लादेश लौटूंगी, मुझे कोई नहीं रोक सकता, शेख हसीना का बड़ा ऐलान

एजेंसी

नयी दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर अपने देश लौटने का इरादा जाहिर किया है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह दिसंबर में भारत से बांग्लादेश वापस जाएंगी और उनका फैसला किसी भी कीमत पर नहीं बदलेगा। हसीना ने कहा कि अगर उनकी किस्मत में मौत लिखी है तो वह अपने देश की मिट्टी पर और अपने लोगों के बीच मरना पसंद करेंगी। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब बांग्लादेश में उन्हें मौत की सजा सुनाई जा चुकी है और वहां की सरकार भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है। एक समाचार एजेंसी को ईमेल के जरिए दिए जवाब में शेख हसीना ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि उनके फैसले में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हसीना के मुताबिक, वह निर्वासन में रहना नहीं चाहतीं और अपने देश लौटकर अपने लोगों के बीच रहना चाहती हैं। गौरतलब है कि हसीना ने इससे पहले अगस्त में भी दिसंबर के दौरान बांग्लादेश लौटने का इरादा जताया था। अब उन्होंने एक बार फिर अपने रुख को दोहराकर वहां की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि भारत से बांग्लादेश पहुंचने के लिए वह कौन–सा रास्ता अपनाएंगी और उनकी वापसी की कोई निश्चित तारीख क्या होगी। शेख हसीना



की वापसी का ऐलान इसलिए भी अहम है, क्योंकि बांग्लादेश के विशेष न्यायाधिकरण ने 2025 में उन्हें मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। यह मामला वर्ष 2024 में छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसक कार्रवाई से जुड़ा है। अदालत ने माना था कि उस दौरान हुई कार्रवाई के लिए हसीना जिम्मेदार थीं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के विरोध प्रदर्शनों और उनसे जुड़ी हिंसा में करीब 1,400 लोगों की जान गई थी। हालांकि, हसीना ने अपने ऊपर लगे आरोपों को लगातार खारिज किया है। उन्होंने न्यायाधिकरण के फैसले को भी स्वीकार नहीं किया और मुकदमे की निष्पक्षता तथा वैधता पर सवाल उठाए हैं। बांग्लादेश में वर्ष 2024 में छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे। देखते ही देखते आंदोलन ने व्यापक रूप ले लिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी। इसके बाद वह भारत आ गई थीं। हसीना ने 2009 से अगस्त 2024 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में राजनीतिक हालात लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं। नई व्यवस्था के तहत हसीना के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी आगे बढ़ी।बांग्लादेश सरकार कई बार भारत से शेख हसीना को वापस सौंपने की मांग कर चुकी है। ऐसे में उनका स्वदेश लौटने का बयान भारत–बांग्लादेश संबंधों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगर हसीना बांग्लादेश पहुंचती हैं तो उन्हें गिरफ्तार किए जाने की आशंका है, क्योंकि उनके खिलाफ मौत की सजा का फैसला मौजूद है। फिलहाल उनकी वापसी की कोई ठोस योजना सार्वजनिक नहीं हुई है। इसके बावजूद हसीना का ताजा बयान संकेत देता है कि वह भारत में रहकर निर्वासन की जिंदगी बिताने के बजाय अपने देश लौटने के फैसले पर कायम हैं।

सम्पादकीय

ट्रंप का खत्म हुआ दबदबा

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा झटका साबित हुए हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए इन चुनावों को बड़ी परीक्षा माना जा रहा था। क्योंकि अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए जिसका सीधा असर न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था और राजनीति पर पड़ा, बल्कि अमेरिका के भीतर भी सवाल खड़े होने लगे कि क्या दुनिया का सबसे बड़ा यह लोकतांत्रिक देश नफरत और हिंसा का प्रतिनिधि बनकर रह जाएगा। गौरतलब है कि अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप ने मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का नारा बुलंद करते हुए नयी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसकी चपेट में भारत समेत कई देश आए। अमेरिका में काम करने, नागरिकता हासिल करने और वीजा के नए कड़े नियम बना दिए, जिसका असर लाखों लोगों पर पड़ा। ईरान पर इजरायल के कहने से ट्रंप ने हमला बोला, जिसकी वजह से न केवल हजारों निर्दोषों की मौत हुई, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर पाबंदी लगाने को ईरान मजबूर हुआ और इसका खामियाजा सारी दुनिया ने भुगता। ईरान के मीनाब शहर में बच्चियों के स्कूल पर अमेरिकी हमले के बारे में अमेरिका में सवाल उठे, लेकिन ट्रंप ने इस पर जवाब नहीं दिया। वेनेजुएला में राष्ट्रपति मादुरो निकोलस के सुरक्षा गार्डों को रिश्वत देकर अपने साथ मिलाना और फिर उन्हें पत्नी समेत अगवा कर लेने का काम ट्रंप ने किया, मानो दुनिया अब भी मध्यकाल में जी रही है। कई देशों के आंतरिक मामलों या चुनावों में दखल देने का काम अमेरिका हमेशा ही करता रहा है, ट्रंप ने इस रवायत को बरकरार रखा, हालांकि इससे उनका अपना ही नुकसान हुआ। बहरहाल, अब जो मध्यावधि चुनावों के नतीजे आए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव और सीनेट, दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसके बाद सवाल उठने लगे हैं कि क्या अब ट्रंप के लिए बचे दो सालों का कार्यकाल खासा मुश्किल होने लगा है। वैसे अमेरिकी संविधान में श्सेपरेशन ऑफ पावरश की व्यवस्था है। यानी शक्तियों का बंटवारा है। संसद, सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति की शक्तियां अलग–अलग हैं और कोई किसी के काम में दखल नहीं दे सकता। खास बात ये है कि राष्ट्रपति संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं है। इसलिए सीनेट और प्रतिनिधि सभा में करारी हार के बावजूद राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की कार्यकारी शक्तियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अब वो कोई कानून अपनी मर्जी से पास नहीं करवा पाएंगे। इसके लिए संसद की जरूरत होती है। डेमोक्रेट्स की संख्या 90 होने के कारण, उनके सभी बिल रोक दिए जाएंगे। दूसरी बात, बजट पर संसद का नियंत्रण होता है। तो ट्रंप के लिए मागा जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए कोई फंडिंग नहीं मिल पाएगी। वहीं व्यापार समझौतों और युद्ध के लिए फंडिंग के वास्ते संसद की मंजूरी जरूरी होगी, तो यहां भी मर्जी नहीं चल पाएगी। तीसरी बात जजोंध्अधिकारियों की मनमानी नियुक्ति नहीं कर पाएंगे, सीनेट उनके द्वारा चुने गए नामों को रोक देगी। ट्रंप पर अब महाभियोग का खतरा बढ़ सकता है। एपस्टीन फाइल्स जैसे कुछ मामलों में डेमोक्रेट्स जांच शुरू कर सकते हैं और महाभियोग की प्रक्रिया भी ला सकते हैं। इन नतीजों में कुछ चौंकाने वाले नतीजे आए हैं। जैसे डेमोक्रेट्स ने कई ऐसे राज्यों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन का मजबूत इलाका माना जाता रहा है। टेक्सास, साउथ कैरोलाइना, आयोवा और कंसास जैसे राज्यों में उनकी सफलता विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों को भी हार का सामना करना पड़ा, जिन्हें ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। मिशिगन सीट से जीत कर डेमोक्रेट अब्दुल अल सैयद अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अब्दुल के खिलाफ काफी नफरती टिप्पणी की थी। इस पर अब्दुल ने अब तंज कसते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप को मेरा नाम लेने में दिक्कत होती थी, अब वह मुझे सीनेटर कह सकते हैं। इसी तरह इल्हान उमर पांचवी बार जीती हैं, उन्हें मिनेसोटा से भारी जीत हासिल हुई है। ट्रंप ने इल्हान उमर की शादी को लेकर भी काफी सवाल उठाए थे। इल्हान उमर की नागरिकता की जांच भी चल रही है। इसके बावजूद उन्हें जीत मिली। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की केइसा लांस बॉटम्स ने इतिहास रच दिया है। केइसा लांस बॉटम्स पहली अश्वेत महिला हैं जो अमेरिका में किसी राज्य की गवर्नर चुनी गई हैं। तो ऐसे कई बड़े उलटफेर हुए हैं, जिन पर कहा जा रहा है कि यह सब ट्रंप की नीतियों से जनता की नाराजगी के परिणाम हैं। ट्रंप ने अपने भाषणों और बयानों में काफी व्यक्तिगत हमले लोगों पर किए, लेकिन अमेरिकी जनता ने इस बार अपने उदार चरित्र को दिखाया है। ट्रंप ने भी अब जनता की मर्जी को स्वीकार कर लिया है। वैसे भी उनका यह अंतिम कार्यकाल है, दो बार के बाद तीसरी बार राष्ट्रपति का चुनाव वो नहीं लड़ेंगे, लेकिन ट्रंप के कारण रिपब्लिकन पार्टी को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में वक्त लगेगा। ट्रंप ने अब मान लिया है कि ईरान पर युद्ध के कारण जनता ने साथ नहीं दिया। ट्रंप ने कहा भी है कि अब ईरान पर हमला नहीं होगा, न ही इजरायल को आर्थिक मदद दी जाएगी। ईरानी संसद के अध्यक्ष एम बी गालिबाफ ने भी कहा है कि चाहे अंतरात्मा की आवाज हो या जीवन–यापन का सवाल, अमेरिकियों ने श्युद्ध को नाश कहा है, और हम इस संदेश का समर्थन करते हैं। लेकिन यह सब इतने सरल समीकरण नहीं हैं। ट्रंप ने अकेले के दम पर युद्ध नहीं छेड़ा था, उसके पीछे जो कार्पोरेट लॉबी काम कर रही थी, क्या वह ट्रंप पर या अब किसी और तरीके से अमेरिकी सत्ता पर दबाव नहीं बनाएगी और दुनिया में अशांति फैलाने की कोशिश नहीं करेगी, इन सवालों के जवाब तलाशने होंगे। वैसे कांग्रेस सांसद अभिषेक सिंघवी ने मजेदार टिप्पणी की है कि नतीजे बता रहे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति के बजाय, ईरान ने अमेरिका में सत्ता परिवर्तन (रजीम चेंज) सफलतापूर्वक कर दिया है!

खंडित हो गई मोदी की छवि, अब सुधार मुश्किल

सर्वमित्रा सुरजन

नरेन्द्र मोदी अब लाख कोशिश कर लें, लेकिन अब किसी भी तरह वे अपनी उस छवि को खंडित होने से नहीं रोक सकते, जो उनके प्रचार तंत्र ने बड़ी मेहनत से गढ़ी थी। नयी पीढ़ी को हमेशा अपने लिए एक नायक की तलाश रहती है, ऐसा व्यक्ति जो हर तरह से उन्हें प्रेरित करे और उनकी नाराजगी को अभिव्यक्ति दे। 2014 के तत्कालीन लोकतांत्रिक भारत में जब दस सालों की यूपीए सरकार की कुछ बातों और देश के हालात को लेकर तब की नयी पीढ़ी में नाराजगी थी, तब नरेन्द्र मोदी को किसी अवतार की तरह पेश किया गया था कि देश इनके हाथों में सौंपों और बस सारी समस्याओं से मुक्ति पाओ। लोगों ने इस प्रचार पर यकीन कर मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। उनके वादे भी कितने लुभावने थे–हर साल दो करोड़ रोजगार, सबके खाते में 15–15 लाख, काला धन वापस लाना, सस्ता तेल, सस्ती गैस उपलब्ध करना, बुलेट ट्रेन चलाना, काशी को क्योटो बनाना। लेकिन समय बीतते न बीतते ये तमाम वादे जुमले साबित हो गए। बल्कि अब तो हाल ऐसा है कि जुमलों और वादों के बीच का अंतर ही खत्म हो गया है। 2014 से 2026 आ गया, समस्याएं खत्म नहीं हुईं, बल्कि नयी समस्याएं खड़ी हो गईं। जैसे वोट का अधिकार खत्म हो गया, जिस राम मंदिर के लिए लोगों ने खून बहाने से परहेज नहीं किया, वहां चढ़ावा चोरी हो गया, युवाओं के सामने पढ़ने और रोजगार पाने के मौके खत्म कर दिए गए। इन सब पर जनता का गुस्सा बढ़ता गया। लेकिन अपनी सत्ता के सुखों में कैद मोदी ने जनता की भावनाओं को देखना जरूरी नहीं समझा। ऐसे में नयी पीढ़ी का मोह भंग मोदी और उनके वादों से हो चुका है। देश का युवा देख रहा है कि यह सरकार इतनी लाचार है कि विपक्ष के खिलाफ पदयात्रा निकाल रही है और लोकतंत्र बचाने की मांग कर रही है। इस बीच राहुल गांधी ने मोदी की अवतारी छवि को चूर–चूर करने के लिए एक बड़ा प्रहार कर दिया है। 31 अक्टूबर को देश में शायद पहली बार विपक्ष ने मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया। जिसमें ज्ञानेश कुमार पर महाभियोग प्रस्ताव लाया गया। फिर एक नवंबर को इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में महारैली हुई, जिसमें जनता का जोश देखकर मोदी सरकार सकते में है। इसके बाद 2 नवंबर को राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी और फिर 3 नवंबर को वापस अपनी चुनौती को दोहराया। चार दिन के ये चार हमले मोदी सरकार पर काफी भारी पड़ चुके हैं, यह भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाएं बता रही है। दरअसल 31 अक्टूबर को मोदी ने गुजरात में आरोप लगाया था कि विदेश जाकर देश–विरोधी ताकध्तों के सहारे देश को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। इस पर राहुल गांधी ने मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। और कहा था कि आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं। आपकी आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण में और समर्थन से है। विदेशी सोशल मीडिया पूरी तरह आपके साथ खड़ा है। मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए। आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं आप उससे डरते हैं। मोदी ने 3 तारीख तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो राहुल ने फिर कहा कि 24 घंटे हो गए मोदी



जी। मैंने आपको चौलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए, मेरे साथ डिबेट कीजिए। देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है और किस तरह का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत ।य उन्होंने कहा, श्दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी। एक तरफ आप बैठोगे, एक तरफ मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हो, बना दो. मोहन भागवत जी को बिठा दो, चलो और फिर डिबेट करते हैं। राहुल ने यह भी कहा कि मुझ पर कम से कम 45 मामले मानहानि के लगे हुए हैं। लेकिन इस डिबेट के मामले में, विदेशी कनेक्शन के मामले में आप मानहानि का मुकध्दमा नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी खुलकर डिस्कस करेंगे। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी। मोहन भागवत को जज बनाने और विदेशी कनेक्शन पर बहस की चुनौती देकर राहुल ने भाजपा के सामने दीपावली के पहले ही बड़ा बम फोड़ दिया है। आनन–फानन में तमाम भाजपा नेता मोदी के सामने रक्षापंक्ति बनाकर खड़े हो गए हैं। जैसे शतरंज में राजा को शह और मात से बचाने के लिए कैसलिंग की जाती है, यानी राजा को हाथी की आड़ में कर दिया जाता है, और फिर बाकी मोहरे सामने आते हैं, वही खेल इस समय मोदी के लिए रचा जा रहा है। किरण रिजिजू ने तो राहुल की चुनौती को गंभीर मानने से इंकार कर दिया, यानी बहस का सवाल ही नहीं। निशिकांत दुबे ने कहा पहले मुझसे बहस कीजिए फिर मेरे नेता पर आइए। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी की सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर एसआईआर पर चर्चा के लिए तैयार हैं। आप संसद चलने दीजिए और चर्चा में दो–दो हाथ कर लीजिए। देश की जनता को मालूम हो जाएगा कि सही क्या है और झूठ क्या है। हालांकि शाह भी इस बात को अच्छे से जानते हैं कि पूरे मानसून सत्र में राहुल से बचने के लिए मोदी–शाह संसद परिसर में होते हुए भी सदन में नहीं आए। आखिरी दिन वंदेमातरम के लिए खड़े होकर चार मिनट में चले गए। जबकि इस दौरान विपक्ष के सांसदों ने एसआईआर, चुनाव सुध ार पर चर्चा का मुद्दा उठाया, मगर मोदी–शाह जवाब देने नहीं आए। निर्मला सीतारमण, गिरिराज सिंह जैसे तमाम सांसद भी अब राहुल को संसद में बहस के लिए बुला रहे हैं। पता नहीं ये सांसद अपने प्रधानमंत्री से क्यों नहीं कहते कि हमने आपको सदन का नेता चुना है तो जवाब देने के लिए आप खुद आइए, हमें आगे मत करिए। खैर ये लोग तो फिर भी सांसद हैं तो राहुल को संसद आने कह सकते हैं। मगर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता न जाने किस हक से राहुल से कह रही हैं कि आप संसद आकर बहस कीजिए और फिर उसमें 1975 से लेकर 1984 तक सबका जिक्र कर रही हैं। बिल्कुल मोदी वाला अंदाज है ये कि आप सीध ो सवाल का सीधा जवाब देने की जगह बस विपक्ष को कोसते रहें। रेखा गुप्ता को क्या इतना भी नहीं पता कि वे केवल दिल्ली विधानसभा में बोलने का हक रखती हैं, संसद में नहीं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा तो रेखा गुप्ता से एक कदम आगे निकले। उन्होंने राहुल गांधी को इस बात पर घेरा कि अपनी चुनौती के आखिरी में उन्होंने लाल गुलाब के साथ मोदी को हैप्पी दीवाली क्यों कहा। बिस्वासरमा ने राहुल के ज्ञान में इजाफा किया कि राहुल गांधी गुलाब का फूल तो वैलेंटाइन डे पर दिया जाता है, दिवाली पर नहीं.. खैर आप भारतीय संस्कृति से कहां परिचित हैं। अब कोई हिमंता बिस्वासरमा से पूछे कि वैलेंटाइन डे कब से भारतीय संस्कृ ति का हिस्सा हो गया। उन्हें यह क्यों पता है कि वैलेंटाइन डे पर कौन से रंग का गुलाब दिया जाता है। गनीमत है कि बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस मामले में अब तक बोलने के लिए आगे नहीं किए गए हैं, वर्ना जैसे उन्होंने कहा था कि बिहार में क्राइम हो सकता है, लेकिन अपराध नहीं। वैसे ही वे कहते कि मोदी डिबेट के लिए तो आ सकते हैं बहस के लिए नहीं। खैर अपने बचाव में जिन मोहरों को मोदी ने आगे किया है, वो सब अपने बयानों से खुद ही बिसात से बाहर निकलने की तैयारी कर चुके हैं। भाजपा जितना ज्यादा राहुल गांधी पर आक्रामक होगी, उतनी तेजी से मोदी की छवि बिखरेगी। क्योंकि सवाल मोदी से हो और जवाब भाजपा नेता दें, यह रवैया देश के नौजवानों को रास नहीं आएगा। नयी पीढ़ी तो अब मां–बाप की टालमटोल पर भी फौरन अपनी असंतुष्टि जाहिर कर देती है। उसे साफ–साफ हां या ना सुनने की आदत है। अगर मोदी राहुल से बहस के लिए आ सकते हैं तो हां कर दें, वर्ना ना कह कर बता दें कि उन्हें डर लगता है।

पश्चिम बंगाल में संघ संगठनों के हमलों से असुरक्षित महसूस कर रहे ईसाई

आशीष विश्वास

हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल में ईसाई समुदाय ने शायद ही कभी शारीरिक हमलों या धर्म से जुड़े तनावों की शिकायत की हो। ईसाई संगठनों ने कभी–कभी उत्तर प्रदेश या ओडिशा में अल्पसंख्यक समूहों के सामने आने वाली कठिनाइयों या भेदभाव का जिक्र अपने सार्वजनिक बयानों और आधिकारिक शिकायतों में किया है, खासकर हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बाद। परन्तु अब संघ संगठनों के बढ़ते हमलों के बीच वे स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगे हैं। ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के महज छह महीने के भीतर हालात काफी खराब हो गए हैं कृ ऐसा पूर्वोत्तर भारत के प्रभावशाली ईसाई संगठनों का मानना है। आमतौर पर, ये संगठन पड़ोसी राज्यों या क्षेत्रों के संवेदनशील मुद्दों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। वे मुख्य रूप से श्सतबहनी राज्योंश (पूर्वोत्तर के सात राज्यों) में जातीय हिंसा से जुड़ी स्थानीय घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। न केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र के समुदाय के नेता या बुजुर्ग, बल्कि कुछ ईसाई बहुल राज्यों के अंग्रेजी मीडिया ने भी इस बात पर गौर किया है कि पश्चिम बंगाल में अचानक सामूहिक हिंसा भड़क उठी है, जिससे ईसाई समुदाय प्रभावित हो रहा है। पूर्वोत्तर क्षेत्र की हालिया रिपोर्टों और विश्लेषणों में राज्य और केंद्र की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और राजनीतिक नेताओं से आग्रह किया गया है कि वे पश्चिम बंगाल की स्थिति पर ध्यान दें। पूरे देश के ईसाइयों के बीच इस बात को लेकर गहरी चिंता है कि समुदाय के खिलाफ शारीरिक हमलों और हिंसा में अचानक भारी वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, एक रिपोर्ट के अनुसार, इस साल मई से सितंबर के बीच पश्चिम बंगाल में ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 65 घटनाएं सामने आई हैं। इसके विपरीत, 2025 में जनवरी से अप्रैल के बीच ऐसी केवल 11 घटनाएं सामने आई थीं। हालांकि पूर्वोत्तर के मीडिया में दिए गए आंकड़े कानून–व्यवस्था की स्थिति में भारी गिरावट की ओर इशारा करते हैं, लेकिन साल–दर–साल तुलना के लिए कोई ठोस विश्लेषण नहीं दिया गया है, जिसका कारण स्पष्ट नहीं है। इस बात का भी जिक्र किया गया है कि आमतौर पर पश्चिम बंगाल को धार्मिक मुद्दों पर होने वाली भीड़ की हिंसा जैसी चिंताजनक प्रवृत्तियों से मुक्त राज्य माना जाता था। विश्लेषकों ने पश्चिम बंगाल में ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी)जैसे हिंदुत्व समर्थक समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। हाल ही में सत्ता में आई भाजपा – जिसे आमतौर पर एक दक्षिणपंथी पार्टी माना जाता है– का कामकाज, चाहे वह प्रशासन का मामला हो या अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का, पूरी तरह से असंतोषजनक रहा है। उन समूहों और उनके नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है, जो मुख्य रूप से निर्दोष अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले की योजना बनाते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं। पश्चिम बंगाल में इन आरोपों पर प्रशासनिक या राजनीतिक स्तर पर कोई खास प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है। कोलकाता भारत में एंग्लो–इंडियन संगठनों का मुख्यालय है और इसके स्थानीय नेता, पारितोष कैनिंग, पिछले कई वर्षों से सत्ताधारी प्रतिष्ठानों के साथ करीबी संपर्क बनाए हुए हैं। एंग्लो–इंडियन समुदाय के शीर्ष संगठन ने कुछ दिन पहले राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ अपने समुदाय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और कुछ मांगें रखीं। लेकिन, पूर्वोत्तर के ईसाइयों द्वारा हिंदुत्व समूहों के हमलों को लेकर उठाए गए मुद्दों का इसमें कोई जिक्र नहीं था। राजनीतिक स्तर पर भी, वीएचपी या बजरंग दल जैसे संगठनों ने स्थानीय मीडिया में सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ ऐसी रिपोर्टें सामने आईं, जिनमें पूर्वोत्तर के ईसाई संगठनों द्वारा लगाए गए आरोपों का कड़ा खंडन किया गया। इन रिपोर्टों में दावा किया गया है कि स्पष्ट कानूनों और नियमों के बावजूद, हाल के वर्षों में कुछ ईसाइयों और मिशनरियों ने विशेष रूप से पिछड़े सीमावर्ती इलाकों और दूरदराज के गांवों में रहने वाले गरीब आदिवासियों के बीच बड़े पैमाने पर धर्मांतरण का अभियान चलाया है। धर्मांतरण के ज्यादातर मामलों में पैसे देने या अन्य तरह की मदद पहुंचाने की बात सामने आई है। यहां तक कि कोलकाता और छोटे शहरों में भी, सुनियोजित तरीके से चलाए जा रहे इन मिशनरी प्रयासों का असर देखने को मिला है। उदाहरण के लिए, उत्तर और दक्षिण कोलकाता के कई निवासियों को समय–समय पर न्यूज लेटर या अन्य प्रकाशित सामग्री मिलती रही है। इनमें भारत के विभिन्न हिस्सों में गरीब लोगों के बीच ईसाई संगठनों द्वारा किए गए अच्छे कार्यों, या बाईबिल की प्रेरणादायक कहानियों का जिक्र होता है। कोलकाता के कई इलाकों में स्थानीय एनजीओ ने बताया है कि वहां के पार्कों में क्रिसमस का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बच्चों और युवाओं के बीच उपहार बांटे गए, जबकि बच्चों के प्रशिक्षित गायन समूहों ने धार्मिक गीत आदि गाए। दक्षिण कोलकाता के एक निवासी ने कहा, श्ऐसे कार्यक्रमों में कुछ भी आपत्तिजनक या भड़काऊ नहीं था, लेकिन इनकी अहमियत इस बात में है कि पहले ऐसे आयोजन नहीं होते थे। क्रिसमस का जश्न, काफी हद तक, गैर–ईसाई परिवारों द्वारा केक और अन्य चीजें खरीदने तक ही सीमित था। शहर में, साथ ही कुछ मौसमी खरीदारी भी। लेकिन शहर के पार्कों में आयोजित होने वाले ये कार्यक्रम और डाक के जरिए लोगों के घरों तक ईसाई साहित्य का नियमित रूप से पहुंचना कृ ये सब किसी के संगठनात्मक प्रयासों के बिना संभव नहीं हो सकता है। जाहिर है, इसके पीछे कोई ऐसा व्यक्ति या समूह रहा होगा जिसके पास पैसा और अन्य संसाधन हों, और जिसका मकसद शायद धर्म परिवर्तन कराना रहा हो। इस बीच, विशेष रूप से दक्षिण 24 परगना के गांवों और अन्य इलाकों से ईसाइयों द्वारा धर्म परिवर्तन के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें आ रही थीं। हावड़ा और 24 परगना जिलों के कोलकाता से सटे ग्रामीण इलाकों से ऐसी भी खबरें मिलीं कि इन मुद्दों को लेकर वहां आने वाले ईसाइयों और अन्य समूहों के बीच कभी–कभी हिंसा भी हुई। पश्चिम बंगाल के मुख्यधारा के मीडिया ने आमतौर पर इन मुद्दों पर बहुत कम ध्यान दिया। इधर एक बड़ी घटना भी सामने आई। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के हरीशचंद्रपुर के एक गांव में कृ जो एक मुस्लिम बहुल इलाका है और जहां सांप्रदायिक हिंसा और अपराधों का रिकॉर्ड कुछ चिंताजनक रहा हैकृ वहां भाजपा के पांच समर्थकों की स्थानीय ईसाइयों और उनके साथ आए कुछ श्बाहरीश लोगों ने कथित तौर पर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि यह मारपीट एक बहस के बाद हुई। दरअसल, भाजपा समर्थक उस इलाके में बढ़ते धर्म परिवर्तन का विरोध कर रहे थे।

आबादी पर नई दृष्टि

आज देश में प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी बाबत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाली नीति से जुड़े कानून की प्रासंगिकता अब खत्म हो गई है। अदालत ने माना कि देश में जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण ऐसे प्रतिबंध को लेकर दिये जाने वाले तर्क अब बेमाने हो गए हैं। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' (2003) मामले को एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। दरअसल, इस मामले में तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम–1994 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। जिसमें दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवार को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि

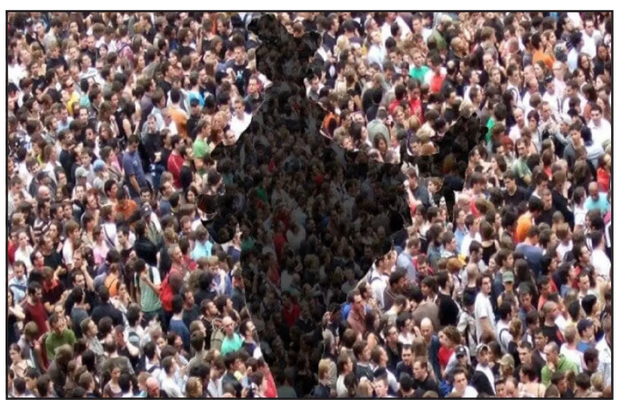

अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी। जबकि आज यह घटकर 1.9 हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। सही मायने में इस बदलाव में हमारी वास्तविक सामाजिक स्थिति का अक्स उभरता है। मसलन बढ़ती साक्षरता, शहरीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और परिवार नियोजन के उपायों के प्रति समाज में जागरूकता में वृद्धि आदि। अदालत ने महाराष्ट्र के एक पूर्व सरपंच की अयोग्यता को भी रद्द कर दिया है, जिन्हें अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बाद चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इससे जुड़े संवैधानिक प्रश्न के समाधान के लिये मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दर्शाती है कि जनसंख्या नीति और मौलिक अधिकारों के बीच पर्याप्त संतुलन बनाना जरूरी है। यानी दो बच्चों से ज्यादा होने पर किसी को सार्वजनिक सेवा करने से रोकना तार्किक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने के हक को रोकना पारिवारिक विकल्पों के आधार पर लोकतांत्रिक भागीदारी को सीमित करने जैसा होगा। यानी यह कानून अनुच्छेद 21 अर्थात जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संरक्षण के तहत प्रजनन स्वायत्तता पर गंभीर सवाल उठाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व हरियाणा आदि ने पहले ही इस प्रतिबंध को हटा दिया है। इन राज्यों का मानना था कि देश में फिलहाल जनसांख्यिकीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं। वास्तव में अन्य राज्यों को भी इस तरह के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बाबत कोर्ट का मानना था कि मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करता है। यह भी कि ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाला यह कानून नागरिकों के वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देता है। सही मायने में इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत में मौजूदा जन्मदर 1.9 है, जबकि प्रतिस्थापन दर 2.1 होनी चाहिए। जिसका मतलब है कि कम प्रजनन के चलते एक पीढ़ी की जगह अगली पीढ़ी पूरी तरह नहीं ले पायेगी। जिसका अर्थ यह है कि बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से कामकाजी लोगों की संख्या कम हो सकती है। यदि हमने इन बदलावों को नजरअंदाज किया तो देश के विकास में नकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि घटती जन्मदर अंततः बुजुर्गों की आबादी बढ़ाने, कार्यबल में गिरावट और देश की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली व स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा सकती है। भारत के जनसंख्या स्वरूप में आये बदलाव के मद्देनजर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, बच्चों की देखभाल सुविधाओं में विस्तार, कौशल विकास और उपयोगी पेंशन योजनाओं को क्रियान्वित करना चाहिए। इसका मतलब यह भी है कि हर दौर में छोटे परिवार की कसौटी तार्किक नहीं हो सकती।

राशिफल

मेष :– आज संभलकर कदम उठाने की गणेशजी सलाह देते हैं। शारीरिक और मानसिक रूप से आप व्यग्रता का अनुभव करेंगे।

वृषभ :– भावनाओ के बंधन में बंध जाने का अनुभव आज आपको होगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। भाई–बहनों से लाभ होगा।

मिथुन :– नकारात्मक मानसिक व्यवहार न रखने के लिए गणेशजी आपको सलाह देते हैं। आज का प्रवास भी आनंददायी रहेगा।

कर्क :– भावनाओं के प्रवाह में आप न बह जाएं इसके लिए गणेशजी आपको चेतावनी देते हैं। धन का खर्च अधिक होगा।

सिंह :– आज किसी भी निर्णय लेने की स्थिति में आप नहीं रहेंगे इसलिए आवश्यक निर्णय आज न लेने की गणेशजी सलाह देते हैं। मन प्रसन्न होगा।

कन्या :– आज का आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। आज परिस्थिति अनुकूल रहेगी।

तुला :– आज पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा ऐसा गणेशजी कहते हैं। संतानों की ओर से सुख मिलेगा।

वृश्चिक :– आप के लिए भाग्यवृद्धि का दिन है ऐसा गणेशजी कहते हैं। विदेश स्थित स्नेहीजनों से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे।

धनु :– आज प्रातःकाल के समय आप का शारीरिक स्वास्थ्य नरम–गरम रह सकता है ऐसा गणेशजी कहते हैं। प्रवास का योग है।

मकर :– आज के दिन परिवारजनों के साथ आनंदपूर्वक प्रवास या पर्यटन का आनंद मनाएंगे।

कुंभ :– गणेशजी के आशीर्वाद से आप का आज का दिन सुख–शांतिपूर्वक बीतेगा। पारिवारिक जीवन में भी आनंद छा जाएगा।

मीन :– आज के दिन विजातीय आकर्षण से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त कर सकेंगे।

उत्तराखंड में बर्फ में दबने से जान गंवाने वाली 2 सगी बहनों के शव लखनऊ पहुंचे, मची चीख-पुकार

संवाददाता

लखनऊ। गुरुवार सुबह 10 बजे उत्तराखंड में बर्फ में दबने से जान गंवाने वाली 2 सगी बहनों के शव लखनऊ पहुंचे घर पहुंचे में चीख–पुकार मच गई। पिता फूट–फूटकर रो पड़े। उन्होंने रोते हुए कहा– ये मेरी बेटियां नहीं, मेरा नूर थीं। जिगर का टुकड़ा थीं। जहां जाती थीं, साथ जाती थीं। आज दोनों एक साथ हमें छोड़कर चली गईं। हमें नहीं पता था कि ये दिन भी देखना पड़ेगा। दरअसल, उत्तरकाशी के केदारताल ट्रैक पर लखनऊ के गायत्रीपुरम में रहने वाली वर्तिका और दीपिका की मौत हो गई थी। दोनों को पहाड़ों पर ट्रेकिंग का शौक था। भारत–नेपाल के कई ट्रेक पूरे कर चुकीं बहनें केदारताल गई थीं। दोनों की तलाश में भाई अतुल वर्मा घरवालों के साथ उत्तरकाशी पहुंचे थे। परिवार को हादसे की जानकारी ट्रेकिंग एजेंसी से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर खबर देखकर मिली थी। लखनऊ के गुडंबा स्थित गायत्रीपुरम में रहने वाले पिता श्रीनारायण वर्मा ने बताया कि दोनों बेटियां कई जगह घूम चुकी थीं। ट्रेकिंग के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी थी, जहां वे न गई हों। इस शौक पर दोनों काफी पैसा खर्च करती थीं। 26 अक्टूबर को दोनों लखनऊ से उत्तराखंड के लिए निकली थीं। ट्रेकिंग दल में कुल 12 लोग थे। 27, 28 और 29 अक्टूबर को 3 दिन का ट्रेक था। 20–25 किलोमीटर का ट्रेक पार कर लिया था। बस 6–7 किलोमीटर ही बचा था। कैंप में कुल 12 लोग थे। 8 को एयरलिफ्ट कर लिया गया, लेकिन चार लोग फंस गए थे। मूलरूप से बाराबंकी के सराय पांडेय में रहने वाले श्रीनारायण वर्मा कृषि विभाग से एक साल पहले रिटायर हुए थे। परिवार में 3 बच्चे हैं। वर्तिका सबसे बड़ी बेटी थी। वह गुरुग्राम की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती थी। छोटी बेटी दीपिका मल्टीनेशनल कंपनी में ग्राफिक डिजाइनर थी। वर्क फ्रॉम होम के चलते लखनऊ में रह रही थी। दीपिका ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से कोर्स किया था। परिवार में सबसे छोटा बेटा अतुल (25) है। पिता ने बताया कि दोनों बेटियों की अभी शादी नहीं हुई थी। बड़ी बेटी वर्तिका की शादी की बात चल रही थी। दोनों अक्सर कहती थीं, पापा, हम जाएंगे तो आपको बहुत कुछ देकर जाएंगे। यह कहते हुए पिता फफक पड़े। दोनों बहनें 27 अक्टूबर को 7



अन्य ट्रेकर्स और पांच सपोर्ट स्टाफ के साथ गंगोत्री से केदारताल के लिए निकली थीं। 3 दिन का ट्रेक पूरा कर 29 अक्टूबर को लौटना था। इसी बीच मौसम बिगड़ गया। भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के चलते वापसी का रास्ता बंद हो गया और दल के 8 सदस्य फंस गए।30 अक्टूबर को दल के कुछ सदस्यों ने कच्ची ढांग के पास फंसे होने की सूचना ट्रेकिंग एजेंसी को देकर मदद मांगी थी। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। 31 अक्टूबर को सपोर्ट टीम के चार सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बुधवार सुबह तीन शव बरामद हुए, जिनमें दोनों बहनें शामिल थीं। दोनों बहनें दो महीने पहले ही फूलों की घाटी और हेमकुंड साहिब की यात्रा से लौटी थीं। एक साल पहले भाई अतुल और दोस्तों के साथ उत्तरकाशी के मोरी क्षेत्र में केदारकांठा ट्रेक भी किया था। परिजनों ने ट्रेकिंग एजेंसी की भूमिका पर सवाल उठाए। आरोप है कि मौसम खराब होने के बावजूद ट्रेकिंग कराई। एजेंसी ने समय पर परिवार को सूचना नहीं दी। समय रहते पता चलता तो वे तत्काल मदद के लिए पहुंच सकते थे।

गाजियाबाद में सीएम योगी की पदयात्रा, बोले लोकतंत्र को अराजकता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता मिटाओ पदयात्रा के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम के मंच पर पहुंचकर उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधा। योगी के भाषण की शुरुआत होते ही वहां मौजूद लोगों ने भगवान राम, हनुमान, कृष्ण और महादेव के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री से पहले गाजियाबाद के सांसद, उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और मुरादनगर के विधायक अजीतपाल त्यागी ने मंच से अपनी बात रखी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन पर देश के लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मर्यादाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित देश की राष्ट्रीय शक्ति है, लेकिन जनता द्वारा लगातार नकारे जा रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन की ओर से भारतीय लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वह लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान और जनादेश



की सर्वोच्चता का संदेश लेकर गाजियाबाद में आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता मिटाओ पदयात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और देश के लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। योगी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए जनता के विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री के इस बयान को कांग्रेस और इंडी गठबंधन के खिलाफ भाजपा के राजनीतिक हमले के तौर पर देखा जा रहा है।

शकुंतला विश्वविद्यालय में खुली यूपी की पहली 3डी प्रिंटिंग लैब, मशीनों से बनेंगे कृत्रिम अंग

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के डॉ.शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने दिव्यांगजनों के इलाज और पुनर्वास को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ी पहल की है। विश्वविद्यालय में प्रदेश की पहली 3डी प्रिंटिंग लैब शुरू हुई है। यहां अब दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण तैयार करने के साथ सीधे क्लिनिकल सेवाएं भी दी जाएंगी। अंतरराष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स दिवस पर कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केंद्र में लैब का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रदेश के अलग–अलग जिलों से आए 12 दिव्यांगजनों को 3क प्रिंटिंग तकनीक से तैयार कृत्रिम अंग मुफ्त दिए गए। कुलपति ने बताया कि पारंपरिक तरीके से कृत्रिम अंग तैयार करने में कई चरण होते हैं और काफी समय लगता है। नई तकनीक में डिजिटल डिजाइन और व्यक्ति के शरीर के सटीक माप के आधार पर कृत्रिम अंग बनाए जा सकेंगे। इससे निर्माण की प्रक्रिया तेज होगी। साथ



ही बेहतर फिटिंग वाले हल्के और आरामदायक कृत्रिम अंग तैयार करना आसान होगा। जरूरत के अनुसार इनके डिजाइन में बदलाव भी किया जा सकेगा। इससे दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। लैब का इस्तेमाल केवल विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और शोध तक सीमित नहीं रहेगा। यहां दिव्यांगजनों की जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग और असिस्टिव डिवाइस तैयार किए जाएंगे। इससे मरीजों को इलाज और पुनर्वास के लिए आधुनिक तकनीक की सुविधा विश्वविद्यालय में ही मिल सकेगी। लैब से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भी फायदा होगा। उन्हें 3डी प्रिंटिंग मशीनों और आधुनिक सॉफ्टवेयर पर काम करने का मौका मिलेगा। वे कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण तैयार करने की पूरी प्रक्रिया सीख सकेंगे। इससे उनका प्रैक्टिकल अनुभव बढ़ेगा। आगे वे पुनर्वास के क्षेत्र में नई तकनीक विकसित करने और शोध करने में भी योगदान दे सकेंगे। इस परियोजना के लिए विश्वविद्यालय और जापान की संस्था इंस्टालिम्ब इंडिया के बीच एमओयू हुआ है। इसके तहत करीब 1.77 करोड़ रुपये की आधुनिक मशीनें, सॉफ्टवेयर और डिजिटल तकनीक उपलब्ध कराई गई है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के ग्लोबल साउथ सहयोग से आगे बढ़ाई गई है। इंस्टालिम्ब इंडिया के निदेशक उत्कर्ष आहूजा ने तकनीकी व्याख्यान में 3डी प्रिंटिंग के इस्तेमाल की जानकारी दी। कार्यक्रम में एफडीडीआई रायबरेली के निदेशक डॉ. सुनील द्विवेदी, कुलसचिव रोहित सिंह, विज्ञान संकाय के प्रो. पीयूष मिश्रा, फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल एंड रिहैबिलिटेशन साइंसेज के डीन प्रो. वीके सिंह, कुलानुशासक प्रो. आशुतोष पांडेय, उप कुलसचिव अनिल मिश्रा, एएलआरसी के वर्कशॉप मैनेजर डॉ. रंजीत कुमार और सहायक कुलसचिव बृजेन्द्र सिंह समेत शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

संविदाकर्मी मौत मामला: जांच में दो एसडीओ और दो जेई दोषी करार, चारों इंजिनियरों को थमाई गई चार्जशीट

संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज न्यू बिजली उपकेंद्र पर 29 अक्टूबर को संविदाकर्मी कीमौत के मामले में गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और पर्यवेक्षणीय दायित्वों में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में दो सहायक अभियंता (एसडीओ) और दो अवर अभियंता (जेई) को आंशिक रूप से दोषी पाया गया है, जिसके बाद विभाग ने चारों अभियंताओं को चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी कर दी है। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 29 अक्टूबर को 11 केवी मोहनलालगंज टाउन फीडर पर शाम 4रू19 बजे अकुशल संविदाकर्मी राजेश कुमार ने ट्रांसफार्मर का फ्यूज बांधने के लिए शटडाउन लिया था। इसके ठीक बाद शाम 4.33 बजे कुशल संविदाकर्मी महानंद ने केबल बांधने के लिए उसी पोषक (फीडर) का दोबारा शटडाउन लिया। काम पूरा होने पर महानंद ने अपना शटडाउन वापस कर दिया, जिसके बाद उपकेंद्र पर तैनात दूसरे संविदाकर्मी सुनील कुमार ने लाइन चालू कर दी। लेकिन उस वक्त पहला संविदाकर्मी राजेश कुमार लाइन पर ही काम कर रहा था और उसने अपना शटडाउन वापस नहीं किया था। जैसे ही बिजली सप्लाई चालू हुई, राजेश करंट की चपेट में आ गया। उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद 30



अक्टूबर को तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था, जिसने 03 नवंबर को अपनी विस्तृत जांच आख्या प्रस्तुत की। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि लाइनों के रखरखाव और संचालन के दौरान तय सुरक्षा दिशा–निर्देशों का पालन नहीं कराया गया। समिति ने 11 केवी मोहनलालगंज के जूनियर इंजीनियर (जेई) विजय कुमार शर्मा, सहायक अभियंता (एसडीओ) सौरभ मौर्या, तथा 33 केवी नादरगंज के जूनियर इंजीनियर विनीत कुमार वर्मा व सहायक अभियंता रमेश सोनी को मानकों का अनुपालन न कराने और पर्यवेक्षण में कमी का दोषी ठहराया है। इस संबंध में लेसा अमौसी जोन के मुख्य अभियंता राम कुमार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि संविदाकर्मी की मौत बेहद दुखद है। जांच रिपोर्ट के आधार पर सुरक्षा मानकों व पर्यवेक्षण में लापरवाही बरतने वाले चारों अभियंताओं को चार्जशीट जारी कर दी गई है। विभागीय नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दीपावली और छठ पर लखनऊ में नहीं होगी बिजली कटौती

लेसा के चारों जोन में कंट्रोल रूम एक्टिव, 24 घंटे तैनात रहेंगे इंजीनियर और कर्मी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में दीपावली से लेकर लोक आस्था के महापर्व छठ तक उपभोक्ताओं को निर्बाध और बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के



लिए लखनऊ विद्युत आपूर्ति प्रशासन (लेसा) पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। त्योहारों के दौरान शहर में कहीं भी बिजली कटौती या ट्रिपिंग की समस्या न हो, इसके लिए लेसा के चारों प्रमुख जोनों में अलग–अलग कंट्रोल रूम बना दिए गए हैं और उनके संपर्क नंबर भी जारी कर दिए गए हैं। हर कंट्रोल रूम में तीन शिफ्टों में अभियंताओं और तकनीकी कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के निदेशक (तकनीकी) हरीश बंसल के निर्देशानुसार, दीपोत्सव के दौरान बिजली आपूर्ति में किसी भी प्रकार का व्यवधान आने पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक कंट्रोल रूम को चौबीस घंटे खुला रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, हर कंट्रोल रूम के साथ एक अतिरिक्त तकनीकी गैंग भी तैनात की गई है, जिसमें तीन कर्मचारी शामिल हैं। यह गैंग किसी भी शिकायत पर तुरंत मौके पर पहुंचकर फाल्ट को दुरुस्त करेगी। इसके अलावा केंद्रीय हेल्पलाइन नंबर 1912 को भी पूरी तरह सक्रिय कर दिया गया है। लखनऊ मध्य जोनरू मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल के अंतर्गत संचालित इस जोन का कंट्रोल रूम 24 घंटे खुला रहेगा। उपभोक्ता किसी भी शिकायत के लिए सीधे हेल्पलाइन नंबर 1912 पर कॉल कर सकते हैं। जानकीपुरम जोन मुख्य अभियंता वीपी सिंह के नेतृत्व में यहाँ भी चौबीस घंटे कंट्रोल रूम काम करेगा और हर शिफ्ट में अलग तकनीकी टीमें तैनात रहेंगी। शिकायतों के लिए 1912 नंबर का उपयोग किया जा सकता है। गोमतीनगर जोन मुख्य अभियंता सुशील गर्ग के निर्देशन में इस जोन के अंतर्गत आने वाले इलाकों में निर्बाध बिजली आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए 24 घंटे कंट्रोल रूम और शिफ्टवार कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है।

स्वामी प्रसाद मौर्य का बाबा बागेश्वर पर विवादित हमला, इंडिया गठबंधन और सीट बंटवारे पर बताया प्लान

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर अपने बयानों को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर तीखी और विवादित टिप्पणी की है। इसके साथ ही उन्होंने इंडिया गठबंधन, आगामी चुनावों में सीटों के बंटवारे और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की भूमिका को लेकर भी अपनी राय रखी। वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने मौर्य के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए साफ कर दिया कि सपा में उनके लिए कोई जगह नहीं है। बाबा बागेश्वर पर स्वामी प्रसाद मौर्य की विवादित टिप्पणी लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर को बताना चाहिए कि उनके कितने पिता थे और वे कितनों के पिता हैं। इतना ही नहीं, मौर्य ने आश्रम से महिलाओं के



गायब होने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि आश्रम से अब तक कितनी महिलाएं लापता हुई हैं। मौर्य की इस टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है। हालांकि, उनके द्वारा लगाए गए सवालों और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। इंडिसा गठबंधन में अपनी भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उन्हें किसी के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस सवाल का जवाब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से पूछने की बात कही। आगामी चुनावों में सीटों के तालमेल को लेकर मौर्य ने कहा कि इस मुद्दे पर आगे बातचीत होगी। कांग्रेस के साथ भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक उन्होंने अखिलेश यादव से न तो किसी सीट की मांग की है और न ही इस विषय पर कोई बातचीत हुई है। उनके बयान से संकेत मिलता है कि चुनावी गठबंधन को लेकर उनकी ओर से बातचीत के रास्ते खुले रखे गए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने असदुद्दीन ओवैसी को लेकर भी सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को चुनाव में हराने के लिए पूरे विपक्ष को एक मंच पर आना होगा। उनके मुताबिक, भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुटता जरूरी है। मौर्य का यह बयान ऐसे समय आया है, जब उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों के बीच चुनावी समीकरण और संभावित गठबंधन को लेकर चर्चाएं जारी हैं। मौर्य के बयानों पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी का रुख उनके प्रति पूरी तरह स्पष्ट है। अवधेश प्रसाद के मुताबिक, पार्टी उन्हें पहले ही अच्छी तरह परख चुकी है। उन्होंने कहा, परखे हुए को परखा नहीं जाता। अवधेश प्रसाद ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी जानती है कि मौर्य की बातों में कितनी उपयोगिता है और कितनी अनुपयोगिता। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सपा में अब स्वामी प्रसाद मौर्य के लिए कोई स्थान नहीं है।अवधेश प्रसाद ने अखिलेश यादव के लिए स्वामी प्रसाद मौर्य की पुरानी टिप्पणी श्न पिद्दी, न पिद्दी का शोरबाश पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक साथ काम करने वाले लोगों के बारे में इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इस बयानबाजी से साफ है कि मौर्य और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक दूरी अब भी बनी हुई है।

68,500 सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री का आवास का घेरा

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में गुरुवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। करीब एक घंटे तक आवास के बाहर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी शंख और घंटियां बजाकर मंत्री को बाहर बुलाने की कोशिश करते रहे। उनका कहना था कि जब उनकी आवाज मंत्री तक नहीं पहुंच रही है, तो वे शंखनाद कर रहे हैं। इस दौरान अभ्यर्थियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है, आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है, आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। कुछ अभ्यर्थी मंत्री के सामने जमीन पर लेट गए और हाथ जोड़कर नौकरी देने की गुहार लगाने लगे। इसके बाद पुलिस ने



प्रदर्शनकारियों को हटाकर बसों में बैठाया। प्रदर्शन में शामिल एक अभ्यर्थी ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने बस में बैठाने के बाद उन्हें लातों से मारा। वहीं, 11 दिन से भूख हड़ताल कर रहे एक अभ्यर्थी की प्रदर्शन के दौरान तबीयत बिगड़ गई। आजमगढ़ से आए प्रदर्शनकारी फूट–फूटकर रोने लगे। कहा ढाई महीने से घर नहीं गए हैं। उनकी तीन साल की बेटी बीमार है। वह रोज वीडियो कॉल कर पूछती है कि पापा घर कब आएंगे। प्रदर्शन में शामिल एक अभ्यर्थी ने रोते हुए आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने बस में भरकर उन्हें लातों से मारा। अभ्यर्थियों ने पुलिस पर बेरहमी से पीटने, गाली देने और कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि पिटाई के बाद उसका पैर उठ नहीं रहा, फ्रैक्चर हो गया है। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि सरकार दलित और पिछड़े वर्ग के लोगों की मांगों को अनसुना कर रही है। आजमगढ़ से आए घनश्याम प्रदर्शन के दौरान बिलख पड़े। उन्होंने बताया कि ढाई महीने से घर नहीं गए हैं। उनकी तीन साल की बेटी बीमार है और रोज वीडियो कॉल कर पूछती है कि पापा घर कब आएंगे। घनश्याम ने बताया कि हाल ही में बेटी को 15 दिन मेडिकल कॉलेज में भर्ती रखना पड़ा था। ऑपरेशन के बाद उसकी एक्सरसाइज होनी थी, लेकिन वह बेटी को छोड़कर प्रदर्शन में शामिल होने लखनऊ आए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार में बैठे लोग उनके दर्द को नहीं समझ रहे।

इस धनतेरस इंस्टामार्ट पर पाएं 0.1 ग्राम से शुरू होने वाले सोने के सिक्के

संवाददाता

लखनऊ। धनतेरस से पहले, भारत के अग्रणी क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट ने अपने विक्रेताओं के माध्यम से कल्याण ज्वेलर्स के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत ग्राहकों के लिए ज्वेलर के सोने के सिक्कों का कलेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस कलेक्शन में 0.1 ग्राम के सोने के सिक्के भी शामिल हैं, जिससे ग्राहकों के लिए सोना खरीदना अधिक सुलभ होगा और वे इस त्योहारी अवसर को एक सार्थक खरीदारी के साथ मना सकेंगे। इंस्टामार्ट पर कल्याण ज्वेलर्स के सोने के सिक्के खरीदने वाले ग्राहकों को अपनी खरीदारी पर कुछ अतिरिक्त लाभ भी मिलेंगे। 1 से 6 नवंबर तक, प्रतिदिन पूरे भारत में इंस्टामार्ट पर कल्याण ज्वेलर्स का सोने का सिक्का खरीदने वाले पहले 1,000 ग्राहकों को



1 ग्राम का चांदी का सिक्का मुफ्त दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कल्याण ज्वेलर्स के सोने के प्रत्येक सिक्के की खरीद पर ग्राहकों को 5 ग्राम के चांदी के सिक्के के मूल्य के बराबर एक डिजिटल डिस्काउंट वाउचर मुफ्त मिलेगा। नियम एवं शर्तें लागू। यह ऑफर 31 दिसंबर 2026 तक वैध है और इसे पूरे भारत में कल्याण ज्वेलर्स के स्टोर्स पर रिडीम किया जा सकता है। इस साझेदारी का उद्देश्य धनतेरस से पहले ग्राहकों को कीमती धातुओं की खरीदारी का एक सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध कराना है। धनतेरस, दिवाली उत्सव का पहला दिन होता है, जब सोना और चांदी खरीदना शुभ माना जाता है और इसे समृद्धि एवं सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। त्योहारी सीजन से पहले इंस्टामार्ट पर 0.5 ग्राम से लेकर 10 ग्राम तक के सोने के सिक्कों और 1 ग्राम से लेकर 100 ग्राम तक के चांदी के सिक्कों की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है, जब इंस्टामार्ट विशेष अवसरों और उपहार देने के लिए सोने और चांदी के सिक्के खरीदने का एक सुविधाजनक माध्यम बनकर उभरा है। पिछले 12 महीनों में प्लेटफॉर्म पर 0.5 ग्राम के सोने के सिक्कों से लेकर 1 किलोग्राम की चांदी की बार तक के उत्पाद उपलब्ध रहे हैं। प्लेटफॉर्म पर सोने की खरीद में साल–दर–साल 258% की वृद्धि हुई, जबकि चांदी की खरीद में 185% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ये आंकड़े प्लेटफॉर्म पर कीमती धातुओं की बढ़ती मांग को दर्शाते हैं।

धनतेरस आज, भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की होगी विशेष पूजा

धन–धान्य और आरोग्य की कामना के साथ मनाया जाएगा धनतेरस का पर्व – आचार्य अजय शुक्ल

धनतेरस का पावन पर्व शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली के पांच दिवसीय महापर्व का शुभारंभ धनतेरस से होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी कारण इस दिन को धन्वंतरि जयंती और धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। उक्त बातें बताते हुए आचार्य अजय शुक्ल ने कहा कि त्रयोदशी तिथि 6 नवंबर शुक्रवार को सुबह लगभग 10:31 बजे प्रारंभ होगी और 7 नवंबर शनिवार को सुबह लगभग 10:48 बजे तक रहेगी। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:50 बजे से 7:47 बजे तक रहेगा। प्रदोष काल शाम 5:19 बजे से 7:54 बजे तक रहेगा। इसी अवधि में यम दीपदान करना भी शुभ माना जाता है। आचार्य अजय शुक्ल के अनुसार धनतेरस के दिन प्रातःकाल घर की साफ–सफाई कर मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएं और संध्या समय दीप प्रज्वलित करें। भगवान धन्वंतरि की पूजा करके परिवार के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करें। माता लक्ष्मी और भगवान कुबेर की विधिवत पूजा करें। इस दिन सोना, चांदी, पीतल, तांबे के बर्तन अथवा अपनी सामर्थ्य के अनुसार घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस की शाम घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि इससे परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति और दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद और चिकित्सा का देवता माना जाता है। इसलिए इस दिन आरोग्य की कामना के साथ उनकी पूजा का विशेष महत्व है।

दिवाली से पहले जहरीली हुई आगरा की हवा

सड़कों की खेदाई से सांसों पर संकट, शहीद नगर में एक्यूआई @410

संवाददाता

आगरा। हवा में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की सांसों पर संकट है। सीएम ग्रिड के तहत बन रही सड़कों की खोदाई के कारण धूल कणों से गले, आंख में एलर्जी हो रही है। आगरा स्मार्ट सिटी के सेंसरों में बुधवार को शहर के 26 चौराहों पर हवा की गुणवत्ता बेहद खराब और गंभीर रही। शहीद नगर में सबसे ज्यादा 410 एक्यूआई दर्ज किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के आंकड़ों में बुधवार को शहर का एक्यूआई 174 रहा। यूपीपीसीबी की लैब के अनुसार संजय प्लेस क्षेत्र की हवा सबसे ज्यादा खराब रही है। 24 घंटे में ही दोगुना एक्यूआई हो गया। 3 नवंबर को संजय प्लेस का एक्यूआई 169 था, जो बुधवार को 236 एक्यूआई हो गया है। यहां पीएम 2.5 का अधिकतम स्तर 323 रहा। ये पांच गुना अधिक दर्ज किए गए। वहीं पीएम–10 का स्तर चार गुना अधिक 409 पर पहुंच गया। फतेहपुर सीकरी के एक्यूआई में सुधार हुआ है। यहां का एक्यूआई 163 रहा। मंगलवार को 213 एक्यूआई था। दूसरी ओर आगरा स्मार्ट सिटी की रिपोर्ट में शहीद नगर के बाद टेढ़ी बगिया में



एक्यूआई सबसे खराब रहा, जो 406 दर्ज किया गया। दोनों जगह हवा की गुणवत्ता बेहद गंभीर स्थिति में रही, जहां सूक्ष्म कणों पीएम–10 की मात्रा 800 तक पहुंच गई। एसएन मेडिकल कॉलेज की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. डॉ. स्निग्धा सेन बताया कि धूल के अतिसूक्ष्म कण आंखों में जाने से तेज खुजली होना, पानी आना, जलन, किरकिराहट की शिकायतें सामने आ रही हैं। वक्ष एवं क्षय रोग विभाग के डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि धूल–कार्बन तत्व सांस नली में जाने से संक्रमण हो रहा है। इससे सीने में जकड़न और भारीपन हो रहा है। अस्थमा–सांस के मरीजों को धूल–धुआं से तेज खांसी हो रही है। अस्थमा अटैक का खतरा है। ओपीडी में ऐसे मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

निर्माणाधीन सड़कों एवं बाईपास के कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी : डीएम

स्वाभिमान जागरण संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), रेलवे अंडरपास (आरयूबी) तथा विभिन्न विभागों के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं स्वीकृत मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण, मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएच, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग (आरईडी) के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने राम–जानकी मार्ग, देवरिया बाईपास,तमकुहीराज–मझौलीराज–नवलपुर–सिकंदरपुर मार्ग तथा सलेमपुर बाईपास के निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराए जाएं और निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पंकज प्रकाश राठौर, परियोजना निदेशक एमओआरटीएच गोरखपुर, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग खंड गोरखपुर, उप निदेशक मंडी गोरखपुर, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग देवरिया तथा अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग देवरिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस की घेराबंदी में फंसे तीन बदमाश

फायरिंग के बाद एक को लगी गोली; चोरी की बंदूक बरामद

संवाददाता

एटा। एटा के अवागढ़ क्षेत्र के गांव नगला भूरा में लाइसेंसी बंदूक चोरी करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि उसके दो साथियों को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई लाइसेंसी बंदूक, तमंचा, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पांडेय ने बताया कि 10 अक्तूबर को नगला भूरा निवासी अरविंदर के घर से चोर लाइसेंसी बंदूक और अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अवागढ़ पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी थीं। बुधवार रात किला बाईपास रोड पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवकों को रोकने का प्रयास किया तो वे भागने



लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में कासगंज के सोरों क्षेत्र के गांव पेसोई निवासी नेकसे के दाएं पैर में गोली लग गई। पुलिस ने उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। उसके साथी अवागढ़ के नगला भवानी निवासी बबलू और पेसोई निवासी विपिन को भी पकड़ लिया गया। एएसपी के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने करीब 25 दिन पहले नगला भूरा में बंदूक चोरी करने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर चोरी की गई लाइसेंसी बंदूक बरामद हुई। इसके अलावा एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, 1590 रुपये और वारदात में प्रयुक्त टीवीएस स्पोर्ट्स बाइक भी बरामद की गई। नेकसे के खिलाफ एटा और कासगंज में चोरी समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। विपिन पर भी कासगंज के विभिन्न थानों में चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रेमपाल सिंह, एसओजी प्रभारी श्रवण कुमार निगम और सर्विलांस प्रभारी सुशील लांबा की टीमें शामिल रहीं।

बुद्ध विहार में घुसे चोर, 25 किलो की गौतम बुद्ध की प्रतिमा ले उड़े; पुलिस चौकी के पास वारदात

संवाददाता

आगरा। आगरा के थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में हाथरस मार्ग स्थित मिलिंद बुद्ध विहार से चोर भगवान गौतम बुद्ध की करीब 25 किलो वजनी पीतल की प्रतिमा चोरी कर ले गए। चोरों ने दीवार फांदकर प्रतिमा गृह का ताला तोड़ा और वारदात को अंजाम दिया। घटनास्थल टेढ़ी बगिया पुलिस चौकी से करीब 250 मीटर की दूरी पर है। घटना की जानकारी मिलते ही भीम आर्मी और बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए करीब दो घंटे तक प्रदर्शन और नारेबाजी की। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया। हाथरस मार्ग स्थित मिलिंद बुद्ध विहार करीब 40 वर्ष पुराना है। इसकी देखरेख भंते प्रज्ञा रतन जी करते हैं। भंते पुरन मल ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे उन्होंने बुद्ध वंदना की थी। इसके बाद मुख्य द्वार पर ताला लगाकर चले गए। बृहस्पतिवार सुबह जब वह बुद्ध विहार पहुंचे तो मुख्य गेट पर ताला



लगा हुआ था, लेकिन अंदर प्रतिमा गृह का ताला टूटा मिला। वहां से भगवान गौतम बुद्ध की पीतल की प्रतिमा गायब थी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश कुमार सम्राट और केवल सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। बहुजन समाज पार्टी के पार्षद डॉ. यशपाल सिंह और पूर्व पार्षद होरीलाल बघेल भी समर्थकों के साथ पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चोरी की घटना पर नाराजगी जताई। भीम आर्मी के प्रदेश प्रवक्ता राजेश कुमार सम्राट ने आरोप लगाया कि टेढ़ी बगिया पुलिस चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर बुद्ध विहार स्थित है। इसके बावजूद चोर प्रतिमा चोरी कर ले गए। पुलिस आगामी त्योहारों को देखते हुए भी रात में नियमित गश्त नहीं कर रही है। यदि पुलिस की गश्त प्रभावी होती तो इस तरह की घटना नहीं होती। प्रदर्शनकारियों ने 48 घंटे में प्रतिमा बरामद कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान पूर्व नेता पार्षद दल डॉ. कर्मवीर भारती, केवल सिंह, हिमांशु विलियन, आशुतोष, डॉ. अजय कुमार, रितिक, हर्ष, आकाश सागर, सतीश संगम और सुनील कुमार उर्फ गोविंदा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। एसीपी छत्ता श्वेता वर्मा ने बताया कि मामले में तहरीर मिल गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

क्षेत्रीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित किया गया

संवाददाता

बांदा। के कमासिन में विनोबा इंटर कॉलेज के मैदान पर एकदिवसीय क्षेत्रीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता हुई। इसमें प्राथमिक और उच्च प्राथमिक



विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने खेल स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय इटर्रा की पूजा देवी और जूनियर बालक वर्ग में पूर्व माध्यमिक विद्यालय मवई के धनंजय ने तीन–तीन स्पर्धाओं में पहला स्थान हासिल किया। ग्राम प्रधान कमासिन रागिनी गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार, एआरपी आनंद त्रिपाठी और शिक्षक संघ अध्यक्ष आशुतोष गौतम मौजूद रहे। गत वर्ष की चौंपियन छात्रा ने मशाल जलाई और मैदान की परिक्रमा की। इसके बाद विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने मार्च पास्ट कर सलामी दी। खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की शपथ ली। पूजा देवी ने 50, 100 और 200 मीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। प्राथमिक बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में कोर्रा बुजुर्ग के अरुण कुमार पहले और इगुवां के पवन कुमार दूसरे स्थान पर रहे। 100 और 200 मीटर दौड़ में कंपोजिट विद्यालय पाली के सुरेंद्र पहले स्थान पर रहे। जूनियर बालक वर्ग में धनंजय ने 100 और 200 मीटर दौड़ के साथ लंबी कूद में पहला स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग की 100 और 200 मीटर दौड़ में नारायनपुर की कोमल यादव पहले स्थान पर रहीं। लंबी कूद में करीना ने पहला स्थान पाया। खो–खो और कबड्डी मेंभी खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी और ग्राम पंचायत कमासिन के प्रतिनिधि अरबिंद गुप्ता ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताएं बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने के साथ आत्मविश्वास ,अनुशासन, प्रतिस्पर्धा और टीम भावना विकसित करने का महत्व पूर्ण माध्यम है ।

गजब की प्रतिभा: आकाश की टोपी बचाएगी किसानों की जान, दिव्यांशी का मॉडल करेगा अंतरिक्ष की सफाई

संवाददाता

आगरा। किसानों को आकाशीय बिजली से बचाने के लिए तीन लेयर वाला इंसुलेटर कैप और अंतरिक्ष में बढ़ते कचरे को साफ करने के लिए चुंबक आधारित सैटेलाइट। जनपदस्तरीय विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने इसके मॉडल प्रस्तुत करके अपनी प्रतिभा दिखाई। बुधवार को एमडी जैन इंटर कॉलेज, हरीपर्वत में आयोजित प्रदर्शनी में 67 विद्यालयों के 214 विद्यार्थियों ने मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें स्मार्ट सिटी, चंद्रयान–3, ऑटोमेटिक ब्रिज, ब्लाइंड स्टिक, रोड सेफ्टी और कचरा प्रबंधन के मॉडल भी आकर्षण का केंद्र रहे। जिला विज्ञान क्लब की ओर से आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ जिलाधिकारी मनीष बंसल ने किया। प्रदर्शनी में एमडी जैन इंटर कॉलेज के कक्षा 12 के छात्र आकाश



चौरसिया ने वज्र–एक्स 3000 मॉडल बनाया। आकाश ने बताया कि खेतों में काम करने वाले किसानों के लिए आकाशीय बिजली गंभीर खतरा है। इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने यह टोपी तैयार किया है। इसमें तीन लेयर वाला इंसुलेटर लगाया गया है। पहली लेयर लेदर, दूसरी फोम और तीसरी एडवांस्ड लेदर की बनाई गई है। इसके साथ एल्युमिनियम फॉयल का भी इस्तेमाल किया गया है। उनका उद्देश्य इन परतों के माध्यम से बिजली गिरने के प्रभाव को कम करने वाली तकनीक विकसित करना है। गोपीचंद शिवहरे सनातन धर्म कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा दिव्यांशी ने स्पेस स्टैबलिस क्लीनर सैटेलाइट का मॉडल प्रस्तुत किया। दिव्यांशी ने बताया कि अंतरिक्ष में विभिन्न प्रयोगों और उपग्रहों के संचालन के कारण स्पेस डेब्रिस यानी अंतरिक्ष में कचरे की समस्या बढ़ रही है। इससे उपग्रहों के संचालन में बाधा आ सकती है। इसके समाधान के लिए उन्होंने चुंबक आधारित तकनीक का मॉडल बनाया है। इसमें अंतरिक्ष में मौजूद धातु के टुकड़ों और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को चुंबकीय आकर्षण से एकत्र करने की परिकल्पना की गई है। जिला विज्ञान क्लब के समन्वयक डॉ. निखिल जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में आकाश चौरसिया ने पहला, सेंट जोसेफ गर्ल्स इंटर कॉलेज की बुलबुल और अनुष्का ने दूसरा और गणेशराम नागर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर की साक्षी शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज शाहगंज की कनिष्का और डीएवी इंटर कॉलेज की रानी व तनिष्का को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार मिला। 10 अन्य मॉडल भी मंडल स्तर के लिए चुने गए। निर्णायक मंडल में डॉ. रामनाथ गौतम, डॉ. प्रभात किरण वार्ष्णेय, डॉ. रामवीर सिंह चौहान, डॉ. सुनील कुमार पाठक और डॉ. राखी गुप्ता शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीनेश मित्तल ने किया। प्रधानाचार्य डॉ. संजय गर्ग सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

दीपावली पर पूर्व प्रधान ने 111 जरूरतमंदों को सम्मान किट बांटी

संवाददाता

उरई/जालौन। जालौन के कोंच तहसील के ग्राम अंडा आनंद नगर में दीपावली पर पूर्व प्रधान ओमकार कल्पना द्विवेदी ने 111 जरूरतमंदों को सम्मान किट बांटी। उन्होंने विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों की सेवा का संकल्प लिया है। ओमकार, पूर्व अध्यापक श्रीराम द्विवेदी के पुत्र हैं। गुरुवार दोपहर 2 बजे हुए कार्यक्रम में हर लाभार्थी को करीब 1,100 रुपये की किट दी गई। इसमें डालडा तेल, बेसन, साबूदाना, अगरबत्ती, नमक और रोजमर्रा के इस्तेमाल की अन्य सामग्री थी। ओमकार द्विवेदी ने लाभार्थियों को तिलक लगाकर किट दी। ओमकार द्विवेदी ने कहा कि पूर्वजों और बुजुर्गों के आशीर्वाद से वे गांव में निस्वार्थ



सेवा करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना उनके संकल्प का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि पिछले साल उन्होंने श्रद्धांजलि सेवा और कन्यादान सेवा का एक साल का संकल्प लिया था। इसके तहत 90 परिवारों को 11–11 हजार रुपये की मदद दी। इस साल उन्होंने दीपावली, रक्षाबंधन और होली पर विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों की सेवा का संकल्प लिया है। इसी के तहत 111 लोगों को किट दी गई। कार्यक्रम में शिवाजी गोस्वामी, रामबाबू निरंजन, श्याम तिवारी, रामू बबेले, सचिन, मृदुल, टिक्कू और सुंदरम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। किट पाने वालों में सुभाष अहिरवार, सुरेश, शिवचरण बरार, शोभा, लाल वर्मा, गेंदा लाल, राजकुमार, राजेश्वरी, फुला रानी, सरस्वती, लीलावती, बेबी, नीलम, शीला और सरोज सहित अन्य विधवा महिलाएं और दिव्यांगजन शामिल थे।

रामपुर समिति में एनपीके खाद 2100 रुपए प्रति बोरी बिकी

संवाददाता

बांदा। जसपुरा ब्लॉक की रामपुर ग्राम पंचायत स्थित सरकारी सहकारी समिति में आज एनपीके खाद 2100 रुपए प्रति बोरी बिकी। किसानों ने कीमत बढ़ने पर नाराजगी जताई। किसानों के मुताबिक, पहले यह खाद करीब 1350 रुपए प्रति बोरी मिलती थी। उनका कहना है कि खेती की लागत बढ़ रही है और फसल की कमाई से खर्च निकालना मुश्किल हो रहा है। किसान यूनियन के पदाधिकारी और किसान सुरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि अभी बुवाई का सीजन चल रहा है। किसानों को खेत तैयार करने के साथ बीज और खाद का इंतजाम करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे और गरीब किसानों के लिए 2100 रुपए प्रति बोरी खाद खरीदना मुश्किल है। किसान दिलीप यादव, अजीत यादव, कन्हैया तिवारी और अंशु सिंह समेत अन्य किसानों ने भी बढ़ी कीमत पर नाराजगी जताई। किसानों ने सरकार से सभी



सरकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि इससे उन्हें खाद के लिए इधर–उधर नहीं जाना पड़ेगा और वे समय पर बुवाई कर सकेंगे। किसानों ने खाद की कीमतों में राहत देने और गरीब किसानों के लिए उचित व्यवस्था करने की अपील भी की। किसानों का कहना है कि खाद की उपलब्धता और कीमतों की समस्या समय पर हल नहीं हुई, तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा। समिति के सचिव राम द्विवेदी ने बताया कि एनपीके खाद का रेट 2100 रुपए है। उन्होंने कहा कि ऊपर से जो रेट भेजा गया है, उसी पर खाद बांटी जा रही है। यह खाद खत्म होने के बाद डीएपी आई, तो वह 1350 रुपए में मिलेगी।

स्वाभिमान जागरण
हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एंव सम्पादक इम्तियाज़ अंसारी द्वारा सुपीरियर प्रिन्टर्स 245 माहम सिटी तिकोनिया पारा लखनऊ,(उ०प्र०)–11 से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ उ0प्र0–01 से प्रकाशित।

संपादक
आलोक कुमार केसरवानी
प्रधान संपादक
इम्तियाज़ अंसारी
6392273876
Email-dainikswabhimanjagran.india@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं अस्थाई है समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।